"सूकर पालन में उद्यमिता विकास" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

बरेली, 10 अप्रैल। भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर में आज "सूकर पालन में उद्यमिता विकास" विषय पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ जिसमें राज्य के विभिन्न जनपदों से आये लगभग 40 प्रशिक्षणार्थी प्रतिभागिता कर रहे हैं। एग्री बिजनेस इन्क्यूवेशन केन्द्र और पशुधन उत्पादन एवं प्रबन्धन अनुभाग द्वारा आयोजित इस प्रशिक्षण में दो महिला प्रशिक्षणार्थी भी भाग ले रही हैं।

प्रशिक्षण के उद्घाटन सत्र को सम्बोधित करते हुए संयुक्त निदेशक (प्रसार शिक्षा) डा. महेशचन्द्र ने प्रशिक्षणार्थियों का उत्साहवर्द्धन करते हुए कहा कि वे संस्थान में पूरे मनोयोग से प्रशिक्षण लेकर अपना व्यवसाय स्थापित करें। उन्होंने बताया कि वर्तमान में सूकर उत्पादों हेतु बाजार आसानी से उपलब्ध है तथा कई व्यवसायी इस कार्य से बड़ी धनराशि का उपार्जन कर रहे हैं। उन्होंने प्रशिक्षण में आयी 2 महिला प्रशिक्षणार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि कि इस क्षेत्र में महिलायें बहुत पीछे हैं हालांकि पशुपालन में इनका योगदान सराहनीय है। डा. महेशचन्द्र ने उद्यमिता विकास हेतु महिला संगठन बनाने पर जोर दिया और कहा कि इससे महिलाओं उचित लाभ प्राप्त कर सकेंगी।

कार्यक्रम के शुरूआत में मुख्य अन्वेषक डाॅ. आर.पी.सिंह ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की तथा इसमें भाग लने वाले सारे प्रतिभागियों का स्वागत एवं उत्साहवर्धन किया।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में पशुधन उत्पादन एवं प्रबन्धन के प्रभारी डा. जी.के. गौढ़ ने सूकरपालन क्षेत्र में व्यवसाय की अपार संभावनाओं पर संक्षेप में जानकारी दी।

प्रशिक्षणार्थियों को सम्बोधित करते हुए वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. एस. के. सिंह ने पशुविज्ञान के क्षेत्र में विभिन्न स्टार्ट अप-हिमीकृत वीर्य उत्पादन, डेयरी फार्मिंग तथा दुग्ध उत्पादों के मूल्य संवर्धन, पशु आहार उत्पादन तकनीक, मांस के गुणवत्तापूर्ण उत्पादन, सूकर फार्मिंग व व्यवसाय विकास तथा पशु रोगों के प्रबन्धन, गौ आधारित अर्थव्यवस्था आदि के बारे में संभावनाओं पर जानकारी दी।

वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. बबलू कुमार ने भारत सरकार का राष्ट्रीय कृषि योजना-'रफ्तार' के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि इस परियोजना के अंतर्गत देश भर से पशु विज्ञान के क्षेत्र में स्टार्ट अप से सम्बन्धित आवेदन आमंत्रित किये जायेंगे। चुने हुए प्रतिभागियों को दो महीने का प्रशिक्षण तथा दस हजार रूपये की वृत्तिका दी जाएगी। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षुओं के नवोन्मेष आइडिया पर आधारित परियोजना का

विकास, उससे उत्पादित वस्तुओं की मार्केटिंग आदि पर कार्य किरने हेतु 5-25 लाख रूपये तक धनराशी देने का भी प्रावधान है। उन्होंने पशु विज्ञान क्षेत्र में स्टाट अप की अपार संभावनाओं पर जोर दिया।
उद्घाटन सत्र में डा. पुतान सिंह, डा. मुकेश सिंह, डाॅ. निहार रंजन साहू डा. पी.के. भारती, डा. एस. महाजन इत्यादि उपस्थित रहे। समारोह का संचालन एग्री बिजनेस इन्क्यूवेशन सेंटर के मुख्य अन्वेषक डा. आर.पी. सिंह तथा धन्यवाद ज्ञापन डा. एस.के. सिंह ने किया।